शिकायतों को राज्य सरकार के ध्यान में ला दिया गया है । यह मामला राज्य सरकार के पास विचाराधीन है ।

(ग) अन्ततः परियोजना 13.88 लाख हेक्टेयर क्षेत्र को वार्षिक सिंचाई प्रदान करेगी । अब तक प्राप्त वास्तविक सिंचाई 5.35 लाख हेक्टेयर है ।

(घ) राज्य सरकार द्वारा आठवीं योजना में नोहर, सिद्धमुख और नर्मदा नामक तीन वृहद परियोजनाओं को चलाने का विचार किया है ।

राजस्थान में सिंचाई परियोजनाओं के लिये केन्द्रीय सहायता

1069. डा० अबरार अहमद खान: क्या जल संसाधन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) इस समय देश में केन्द्रीय सरकार द्वारा अथवा केन्द्रीय सरकार की सहायता से किसी सिंचाई परियोजनायें चलायी जा रही हैं;

(ख) उन सिंचाई परियोजनाओं में से किसी परियोजनाएं राजस्थान की है तथा राजस्थान से संबंधित इन परियोजनाओं पर पृथक-पृथक अब तक केन्द्र सरकार द्वारा कितना धन खर्च किया जा चुका है अथवा भविष्य में खर्च किए जाने की सम्भावना है और इन परियोजनाओं के कब तक पूरा होने की संभावना है;

(ग) क्या राजस्थान में इन सिंचाई परियोजनाओं के पूरा होने के बाद वहां पर विद्यमान अकाल की स्थायी समस्या का मुकाबला किया जा सकेगा और इन परियोजनाओं के पूरा होने पर कितने एकड़ भूमि की सिंचाई होने की सम्भावना है;

(घ) क्या राजस्थान में मरुभूमि क्षेत्र और अकाल की निरंतर स्थिति को देखते हुए, सरकार द्वारा कोई विस्तृत सिंचाई परियोजना शुरू करने का विचार है; और

(ङ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है?

जल संसाधन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती कृष्णा साहो) : (क) और (ख) सामान्यतया सिंचाई परियोजनाओं की आयोजना, वित्तपोषण तथा क्रियान्वयन राज्य सरकारों द्वारा किया जाता है तथा केन्द्रीय सहायता ब्लाक अनुदानों और ऋणों के रूप में दी जाती है। देश में पांच परियोजनाएं हैं, जिनके लिए अतिरिक्त केन्द्रीय सहायता प्रदान की जा रही है, इनमें से एक राजस्थान में इंदिरा गांधी नहर परियोजना है । इस परियोजना के लिए वर्ष 1988–89 तक केन्द्रीय सरकार द्वारा सूखा राहत के अन्तर्गत 20 करोड़ रुपये सहित 101 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। कमान क्षेत्र विकास कार्यों, जिनका अलग से वित्त पोषण किया जा रहा है, के अतिरिक्त वर्ष 1989–90 के लिए परिव्यय 26 करोड़ रुपये होने की आशा है। इस परियोजना के स्तर-I के सातवीं योजना में पूरा होने की आशा है तथा स्तर-II को आठवीं योजना में आगे लाया जायेगा।

(ग) इंदिरा गांधी नहर परियोजना के साथ कुछ अन्य सिंचाई परियोजनाओं को राज्य सरकार द्वारा क्रियान्वित किया जा रहा है, जिसके पूरा होने पर बार-बार आने वाला अकाल काफी हद तक समाप्त हो जायेगा।

(घ) और (ङ) आठवीं योजना में शुरू की जाने वाली नोहर, सिद्धमुख तथा नर्मदा नामक तीन वृहद परियोजनाओं पर विचार किया गया है जिससे लगभग 137 हजार हेक्टेयर की सिंचाई क्षमता और बढ़ जायेगी।

Export of cotton

1070. SHRIMATI SUDHA VIJAY JOSHI; Will the Minister of TEXTILES, be pleased to state:

(a) what is the quota of cotton fixed for export during the current financial year;